मछली पालन की नई तकनीक लाभदायक

अमखेरा में हुआ शहर के पहले मत्स्य प्रजनन प्रक्षेत्र का भूमिपूजन

निज संवाददाता | जबलपुर

शहर में पहले मत्स्य प्रजनन प्रक्षेत्र का भूमिपूजन अमखेरा क्षेत्र में हुआ। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि मछली पालन की नई तकनीक काफी लाभदायक सिद्ध होगी। अब किसानों को लाभ का धंधा अपनाते हुए कृषि के साथ-साथ पशुपालन एवं मछली पालन का भी काम करना होगा, जिससे किसानों के तरक्की के रास्ते खुलेंगे और वैज्ञानिक तरीके से मछली पालन किया जा सकेगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विधायक सुशील तिवारी, नानाजी देशमुख विवि के कुलपति प्रयागदत्त जुबाल, डीन आरपीएस बघेल एवं दलजीत सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति जुबाल ने कहा कि नई तकनीक किसानों के लिए लाभदायक होगी और इस व्यवसाय में मातृशक्ति भी शामिल हो सकती है। अब विवि किसानों के द्वार पहुंचकर जागरूकता अभियान चलाएगी। विधायक श्री तिवारी ने कहा कि शहर में हेचरी का निर्माण कार्य शुरू हुआ है इससे अच्छा काम दूसरा नहीं है। अभी रायपुर और कलकत्ता आदि बाहरी क्षेत्रों से मछली के बच्चे मंगाए जाते हैं। अगर 10 लाख बच्चे मंगाए जाते हैं तो मौसम की बेरुखी के चलते 5 से 7 लाख बच्चे मर जाते थे। वे स्वयं प्रत्येक वर्ष नर्मदा में 10 लाख मछली के बच्चे छोड़ते हैं, जिससे नदी का प्रदूषण खत्म होता है। उन्होंने कहा कि अब वे इसी शहर से मछली के बच्चे खरीद सकेंगे। कार्यक्रम का संचालन कांशीराम रैकवार, आभार प्रदर्शन डब्बल रैकवार ने किया। कार्यक्रम में आशीष रैकवार, मछुआरे और किसान आदि उपस्थित थे। पी-4